Performa For Marking Scheme

अभ्यास प्रश्न पत्र Examination

2019 - 2020

Class: X | Subject: हिन्दी "अ"

Time: तीन घण्टे | Max. Marks: 80

Q. No.	DESCRIPTION	Sub. Division of Marks	Total Marks (Question wise)
	खण्ड - क अपठित अंश		
1-(i)	जीवन के प्रत्येक क्रियाकलाप में विज्ञान का योगदान रहा है। जीवन को दीर्घ बनाया है और डर को कम किया है। बीमारियों को रोका है, सुविधाओं को बढ़ाया है।	2	
(ii)	अंधो को विज्ञान ने आँखे दी हैं तथा बहरों के लिए विज्ञान ने कान दिए हैं।	2	
(iii)	हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज जैसे यंत्रों का आविष्कार करके यातायात को सुगम बनाया है।	2	
(iv)	(i) प्रदूषण की समस्या विज्ञान के कारण है। (ii) घातक हथियारों के खोज से मानवता को खतरा है।	2	
(v)	सिनेमा, दूरदर्शन, रेडियो आदि के द्वारा	1	
(vi)	'विज्ञान और जीवन' अथवा अन्य उपयुक्त	1	
	खण्ड -(ख) व्याकरण (व्यावहारिक)		
2 (i)	वह बाजार गया और केले लाया।	1	
(ii)	सूर्योदय होने पर पक्षी बोलने लगे।	1	
(iii)	आप इसलिए उत्तीर्ण हो गए क्योंकि आपने कठिन परिश्रम किया।	1	
(iv)	क्रियाविशेषण उपवाक्य	1	
3-(i)	दिनेश से चला नहीं जाता।	1	
(ii)	दादी द्वारा कहानी सुनाई जाती है।	1	
(iii)	मोनू पतंग उड़ा रहा है।	1	
(iv)	कर्म वाच्य	1	
4(i)	वह - सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता	1	
(ii)	खेलो - क्रिया, सकर्मक, एकवचन, आदेश सूचक, पुल्लिंग	1	
(iii)	दुकान - संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म	1	
(iv)	सूरदास - संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, कर्ता, पुल्लिंग	1	
5-(i)	रति	1	
(ii)	रौद्र	1	

Scanned by CamScanner

Performa For Marking Scheme

________________ Examination

20____ - 20____

Class.. Subject..

Time.. Max. Marks..

Q. No.	DESCRIPTION	Sub. Division of Marks	Total Marks (Question wise)
(iii)	हाथी जैसी देह है, गैंडे जैसी खाल। तरबूजे सी खोपड़ी, खरबूजे से गाल॥	1	
(iv)	वात्सल्य रस	1	
	खण्ड "ग" पाठ्य पुस्तक		
6 (i)	मंगल अथवा शुभ वातावरण बनाने वाला वाद्य शहनाई को कहा गया है। क्योंकि यह मांगलिक विधि-विधानों के अवसर पर प्रयुक्त होता है।	2	
(ii)	बिसमिल्ला खां साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं, सच्चे सुर की नेमत।	2	
(iii)	"नागस्वरम" का संपूरक	2	
7- (i)	क्योंकि उसके अंदर देशभक्ति की भावना कूट कूट कर भरी थी। वह स्वतंत्रता सेनानियों का भरपूर सम्मान करता था। नेताजी की मूर्ति को चश्मा पहनाकर वह देश के प्रति अपने श्रद्धा को व्यक्त करता था।	2×4 2	08
(ii)	उन्होंने अपने पुत्र के शव को एक चटाई पर लिटा दिया, सफेद चद्दर से ढक कर वे कबीर का भक्ति गीत गाकर अपनी भावनाएँ व्यक्त करने लगे। उन्होंने अपनी पुत्रवधू से कहा कि ये रोने का नहीं बल्कि उत्सव मनाने का समय है। विरहिणी आत्मा अपने प्रियतम परमात्मा के पास चली गई है।	2	
(iii)	लेखक ने नई कहानी के लेखकों पर व्यंग्य किया है। किसी भी कहानी की रचना उसके आवश्यक तत्वों - कथावस्तु, घटना, पात्र आदि के बिना संभव नहीं होती। घटना तथा कथावस्तु कहानी को आगे बढ़ाते हैं, पात्रों द्वारा संवाद कहे जाते हैं।	2	
(iv)	देवदार का वृक्ष आकार में लम्बा चौड़ा तथा छायादार भी होता है। फादर बुल्के का व्यक्तित्व भी कुछ ऐसा ही है। देवदार के वृक्ष की ही भाँति फादर बुल्के अपनी शरण में आए हुए लोगों को आश्रय देते थे। दुख के समय वे सान्त्वना के वचनों द्वारा उनको शीतलता प्रदान करते थे।	2	

Scanned by CamScanner

Performa For Marking Scheme

_______________ Examination

20____ - 20____

Class.. Subject..

Time.. Max. Marks..

Q. No.	DESCRIPTION	Sub. Division of Marks	Total Marks (Question wise)
(v)	(i) लेखिका के पिता स्त्रियों को चारदीवारी के अंदर सीमित रखना चाहते थे; पर लेखिका खुले विचारों की महिला थी।		
	(ii) लेखिका के पिता लड़की की शादी जल्दी करना चाहते थे पर लेखिका जीवन के आकांक्षाओं को पूरा कर लेना चाहती थी।		
	(iii) स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेकर लेखिका का भाषण देना उसके पिता को पसंद नहीं था।		
	(iv) लेखिका की माँ के साथ उसके पिता का व्यवहार अच्छा नहीं था, जिसे वह अनुचित समझती थी।		
	(v) लेखिका के रंग रूप की वजह से उनके पिता का मन उसकी तरफ से उदासीन रहता था।	2	
8. (i)	अपने चेहरे पर न रीझने की बात कही गई तथा आग रोटियाँ सेकने के लिए है न कि जलने के लिए। लड़की होना पर लड़की तरह दिखाई मत देना।	2	
(ii)	वस्त्र एवं आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह से स्त्री जीवन के बंधन हैं।	2	
(iii)	स्त्री के लिए चूल्हे की आग का प्रयोग सिर्फ रोटियाँ बनाने के लिए है न कि उसमें जलकर मरने के लिए।	2	
9. (i)	कमल के पत्ते से, जो नदी के जल में ऊपर ही रहता है तथा उस पर जल का प्रभाव नहीं पड़ता।	2x4	08
	जल के मध्य रखे तेल के मटके की तरह वे हैं, जिस पर जल की एक बूंद नहीं टिकती।	2	
(ii) 1-	असाधारण शिवधनुष साधारण धनुष की भाँति लगा।		
2-	श्रीराम को ये धनुष नए धनुष की भाँति ही लगा।		
3-	उसे तोड़ा नहीं गया बल्कि यह छूते ही टूट गया।		
4-	उस धनुष को तोड़ते हुए उन्होंने किसी लाभ या हानि के बारे में नहीं सोचा।		
5-	बचपन में ऐसे कई धनुष उन्होंने तोड़े थे, ये सोचकर उन्होंने इसे तोड़ दिया।	2	

Scanned by CamScanner

Performa For Marking Scheme

_______________ Examination

20___ - 20___

Class.. Subject....................................

Time.. Max. Marks................................

Q. No.	DESCRIPTION	Sub. Division of Marks	Total Marks (Question wise)
(iii)	फसल ढेर सारी नदियों के पानी का जादू, अनेक लोगों के हाथों के स्पर्श की गरिमा तथा बहुत छोटे खेतों की मिट्टी का मिला-जुला परिणाम है।	2	
(iv)	कठिन यथार्थ ही सत्य है। भूली बिसरी यादें या भविष्य के सपने मनुष्य को दुखी करते हैं। यदि हम जीवन की कठिनाइयों व दुखों का सामना न कर उन्हें अनदेखा करने का प्रयास करेंगे तो हम स्वयं किसी मंजिल को प्राप्त नहीं कर पाएंगे।	2	
(v)	किसी भी कार्य अथवा कला में लगे सहायक कर्मचारियों व कलाकारों की ओर संकेत कर रहा है। जैसे संगतकार मुख्य गायक के साथ मिलकर उसके गायन में नई जान फूंकता है, और सारा श्रेय मुख्य गायक को ही प्राप्त होता है।	2	
10 (i)	हिमालय कहीं चटक हरे रंग का मोटा कालीन ओढ़े हुए तो कहीं हल्का पीलापन लिए हुए प्रतीत होता है। चारों तरफ हिमालय की गहनतम वादियाँ और फूलों से लदी हुई घाटियाँ थीं। कहीं बादलों की मोटी चादर के रूप में सब कुछ बादलमय दिखाई देता है। चारों तरफ बर्फ से ढके पहाड़ और दूध की धार की तरह दिखने वाले जल प्रपात थे।	3×2 2	06
(ii)	यह कहानी उस समय की है जब बच्चों के पास खेलने के लिए अत्यधिक साधन नहीं होते थे। बच्चे अपने खेल प्रकृति से ही प्राप्त करते थे और प्रकृति के साथ ही खेलते थे। उनके लिए मिट्टी, रेत, पानी, पेड़, मिट्टी के बरतन आदि साधन थे। परन्तु आज के बच्चों की दुनिया इन बच्चों की दुनिया से भिन्न है। आज के बच्चे टीवी, कम्प्यूटर आदि में अपना समय बिताते हैं या फिर क्रिकेट, चॉकलेट, पिज्जा आदि में अपना जीवन बिता देते हैं।		
(iii)	सर्वप्रथम मूर्तिकार ने जार्ज पंचम के नाक के निर्माण में प्रयुक्त पत्थर को खोजने का प्रयास किया। वह देश के कोने-कोने में जाकर उसे खोजने की कोशिश की पर पत्थर विदेशी था। उसने देश में घूम-घूम कर शहीद		

Scanned by CamScanner

Performa For Marking Scheme

_______________ Examination

20___ - 20___

Class.. Subject..

Time.. Max. Marks......................................

Q. No.	DESCRIPTION	Sub. Division of Marks	Total Marks (Question wise)
	नेताओं के नाक का नाप लिया ताकि उनमें से किसी की नाक वहाँ लगाई जा सके। परन्तु उन सभी की नाकें इनसे बड़ी निकली। इसके बाद 1942 में बिहार सचिवालय के सामने शहीद बच्चों की मूर्ति की नाक का नाप लिया पर वह भी बड़ी निकली। अंत में उसने जिंदा नाक लगाने का निर्णय लिया।		
	खण्ड-ब 'रचनात्मक लेखन'		
11-	निबन्ध लेखन (शब्द सीमा 200-250 शब्द)		
	(i) प्रस्तुति	1	
	(ii) भाषा शुद्धता	2	
	(iii) वाक्य विन्यास	1	
	(iv) विषयवस्तु (संकेत बिंदुओं के आधार पर)	4	
	(v) समग्र प्रभाव	2	
12-	पत्र लेखन (शब्द सीमा 80-100 शब्द)		
	(i) प्रारम्भ व अंत की औपचारिकताएँ	1+1	
	(ii) विषय वस्तु	2	
	(iii) भाषा शुद्धता	1	
13	विज्ञापन लेखन (शब्द सीमा 25-50 शब्द)		
	(i) प्रारूप	2	
	(ii) विषय वस्तु	2	
	(iii) भाषा शुद्धता	1	

Scanned by CamScanner